शुक्रवार
04 जुलाई 2025
● देहरादून
● वर्ष 33
● अंक 150
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

पौड़ी जिला पंचायत में सफाई टेंडर के नाम पर

75 लाख का घोटाला

हमारे संवाददाता

पौड़ी। जिला पंचायत पौड़ी में सफाई टेंडर के नाम पर 75 लाख का घोटाला सामने आया है। इस घोटाले में साफ-सफाई कार्यों के नाम पर 75 लाख रुपये की सरकारी धनराशि एक उपनल कर्मचारी की पत्नी के खाते में स्थानांतरित की गई है। यह

❑उपनल कर्मी की पत्नी के खाते में गई थी लाखों की यह रकम, सूचना के अधिकार के तहत हुआ यह खुलासा

खुलासा सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी से हुआ है।

आरटीआई कार्यकर्ता करन रावत ने जून 2025 के पहले सप्ताह में आरटीआई के तहत जवाब प्राप्त किया, जिसमें सामने आया कि एक ही परिवार के तीन सदस्यों के नाम पर जिले के विभिन्न ब्लॉकों में सफाई के ठेके स्वीकृत किए गए। जबकि उनके पास न कोई पूर्व अनुभव था और न ही किसी तरह की कानूनी पात्रता। करन

रावत ने इस मामले की शिकायत गढ़वाल आयुक्त से की, जिसके बाद पत्रावली पौड़ी जिलाधिकारी कार्यालय को भेजी गई।

उन्होंने मांग की है कि इस घोटाले की विजिलेंस जांच हो और दोषियों पर एफआईआर दर्ज हो। 2024-25 की ऑडिट रिपोर्ट में यह साफ हुआ कि हर ब्लॉक में औसतन दो सफाई कर्मचारी नियुक्त दिखाए गए, जिन्हें 15,000 रूपये मासिक और वीआईपी ड्यूटी व दुर्गम क्षेत्रों में तैनात 10 कर्मचारियों को 30 हजार रूपये तक तक मासिक भुगतान किया गया। लेकिन धरातल पर न ऐसे कर्मचारी मिले और न ही कार्य।

इस प्रकरण में पौड़ी की जिलाधिकारी स्वाति भदौरिया ने कहा है कि मामले की जांच जारी है। गढ़वाल कमिश्नर से पत्रावली मिली है, संबंधित दस्तावेजों का अध्ययन किया जा रहा है। रिपोर्ट के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

62.50 लाख ₹ की साईबर ठगी में सिविल इंजीनियर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। 62.50 लाख की साइबर ठगी के मामले में एसटीएफ की साइबर क्राइम थाना पुलिस ने एक सिविल इंजीनियर को कोयंबटूर तमिलनाडू से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पीडितों को झांसे में लेने के लिए मैट्रीमोनियल साईट का प्रयोग किया करता था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ, नवनीत सिंह द्वारा जानकारी देते हुये बताया गया कि एक प्रकरण जनपद नैनीताल निवासी पीड़ित द्वारा दर्ज कराया गया, जिसमें शिकायतकर्ता के द्वारा स्वयं का मैट्रीमोनियल साईट संगम डॉट कॉम पर एकाउण्ट होने की बात कही गयी तथा उक्त साईट पर एक अन्जान युवती आरोशी रॉय का मैसेज प्राप्त होने की बात कही गयी, जिसके बाद व्हाटसप पर मैसेज/कालिंग के द्वारा कुछ समय तक बातचीत होना बताया, उक्त युवती द्वारा स्वयं का कम्बोडिया में कपडों का व्यापार

होने की बात बतायी गयी तथा पीडित से कुछ दिन बात होने के उपरान्त बेनोकॉइन ट्रेडिंग एपलीकेशन के बारे में जानकारी दी गयी जिसके माध्यम से ऑनलाईन क्रिप्टो करेन्सी में निवेश किये जाने की बात कही गयी । जिसके बाद शिकायतकर्ता को व्हाटसप के माध्यम से क्रिप्टो करेन्सी में निवेश करने हेतु उपलब्ध कराये गये विभिन्न बैंक खातो में लगभग 62.50 लाख रुपये की धनराशी धोखाधड़ीपूर्वक जमा करायी गयी।

मामले में साइबर क्राइम थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान साईबर क्राईम पुलिस द्वारा घटना में प्रयुक्त बैंक खातों/रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बरों/व्हाट्सअप की जानकारी हेतु सम्बन्धित बैंकों, सर्विस प्रदाता कम्पनियों, मेटा कम्पनी से पत्राचार कर डेटा प्राप्त किया गया। प्राप्त डेटा के विश्लेषण से जानकारी मे आया कि साईबर अपराधियो द्वारा घटना में पीड़ित से संगम डॉट कॉम मैट्रीमोनियल साईट पर दोस्ती करने के उपरान्त व्हाटसप पर मैसेज/कालिंग के माध्यम से बेनोकॉइन एप पर ऑनलाईन क्रिप्टो ट्रेडिंग में निवेश कर अधिक लाभ कमाये जाने के नाम पर विभिन्न बैंक खातों में धनराशि स्थानान्तरित करवायी गयी। जांच के दौरान साईबर थाना पुलिस द्वारा मुकदमें में प्रकाश में आए बैंक खातों तथा मोबाइल नम्बरों का सत्यापन किया गया। पुलिस टीम द्वारा तकनीकी/डिजिटल साक्ष्य एकत्र कर मुकदमें में प्रकाश में आये आरोपी वेलमुरुगन पुत्र कुप्पूसेमी निवासी 358 जय नगर, 5वीं स्ट्रीट, रक्कियापालयम, पीरिवू, नल्लुर, डिस्ट्रिक्ट तिरुपपुर, तमिलनाडु 641606 को चिन्हित करते हुये तमिलनाडू पुलिस की मदद से कोयंबटूर तमिलनाडू से लाकर न्यायालय में पेश कर आरोपी वेलमुरुगन को न्यायिक हिरासत में उप-जिला कारागार हल्द्वानी जनपद नैनीताल भेजा गया।

आरोपी द्वारा मैट्रीमोनियल साईट संगम डॉट कॉम पर महिलाओं के नाम की फेक आईडी बनाकर पीडितों को रिक्वेस्ट भेजी जाती थी, तथा स्वयं का कपडों का बिजनेस कम्बोडिया में होना बताया जाता था, कुछ समय तक मैट्रीमोनियल साईट्स पर ही चैटिंग किये जाने के उपरान्त आरोपी द्वारा अपना व्हाटसप नम्बर पीडितों के साथ शेयर किया जाता था। जिसके बाद व्हाटसप पर मैसेज/कॉलिंग के माध्यम से ही पीडितों को फर्जी बेनोकॉइन एप

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

दून वैली मेल

संपादकीय

भाजपा में कुछ भी नामुमकिन नहीं

भले ही देश के आम नागरिक इस बात को लेकर हैरान हों कि देश की राजनीति में हो क्या रहा है और राजनीति के विशेषज्ञ यह समझने में नाकाम हो कि भाजपा आखिरकार करना क्या चाहती है? केंद्रीय स्तर से लेकर राज्यों के स्तर तक किए जाने वाले भाजपा हाई कमान के फैसले भले ही सभी को चौंकाने वाले हो और उनके बारे में कुछ भी समझ पाना संभव न हो लेकिन अब एक बात सभी को समझ आ गई है कि भाजपा के शासनकाल में कुछ भी नामुमकिन नहीं है। अभी पहलगाम में हुए आतंकी हमले से लेकर उत्तराखंड में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव तक कोई भी छोटे से छोटा और बड़े से बड़ा फैसला इस बात की गवाही देता दिखता है कि भाजपा शासन में कुछ भी नामुमकिन नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर जब अपने निर्णायक मुकाम पर था तब अचानक आए सीज फायर या युद्ध विराम के फैसले को लेकर आज तक चर्चाएं जारी है लेकिन इस फैसले के पीछे का सच कोई नहीं जान सका है। देश में 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान संविधान बदलने की चर्चाएं अपने चरम तक सुनाई दी लेकिन चुनाव परिणाम आने के बाद भाजपा नेता इसे विपक्ष का भ्रामक प्रचार बताते रहे बावजूद इसके कि केंद्र की वर्तमान सरकार बैसाखियों पर चल रही है। देश में संविधान की प्रस्तावना से लेकर धर्मनिरपेक्ष और समाजवाद जैसे शब्दों को हटाने पर बहस जारी है कुछ लोग अभी भी इसे भाजपा सरकार के संविधान बदलने के प्रयासों से ही जोड़कर देख रहे हैं। सच बात यह है कि भाजपा का शासनकाल हिंदुत्व और हिंदू राष्ट्र की अवधारणा की एक प्रयोगशाला बनकर रह गया है। इस सबके लिए एक के बाद एक प्रयोग किया जा रहे हैं। वह चाहे बीजेपी शासित राज्यों में चुनाव से पूर्व मुख्यमंत्री से लेकर मंत्रियों तक के चेहरे बदलने की कवायद हो या फिर संगठन में किसी भी तरह के बदलाव की। पहली बार उत्तर प्रदेश में जब भाजपा को सत्ता मिली तब कोई यह नहीं सोच सका था कि योगी आदित्यनाथ यूपी के सीएम बनने जा रहे हैं। राजस्थान से जब वसुंधरा और मध्य प्रदेश से शिवराज सिंह का जब पत्ता साफ हुआ तो कोई भी इसका अंदाजा नहीं लगा सका था। ठीक वैसे ही उत्तराखंड चुनाव हारने के बाद भी पुष्कर सिंह धामी को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठाया गया था तो सब हैरान रह गए थे। अभी-अभी राज्य प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव भी हमने देखा। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट को राज्यसभा भेजे जाने के बाद सभी ने यह मान लिया था कि अब उनकी जगह किसी नए चेहरे को यह जिम्मेदारी दी जाएगी लेकिन चुनाव का हाईटेक ड्रामा और दर्जन भर प्रत्याशियों की लाइन में खड़े नेताओं में से किसी का भी नामांकन पत्र न भरना तथा महेंद्र भट्ट का इस पद पर रिपीट होना बहुत ही अजब गजब था। सूबे में नई सरकार के गठन से लेकर अब तक कैबिनेट में खाली पड़े पदों का न भरा जाना नेताओं को हैरत को डाले हुए हैं। राज्य में कुछ बड़ा फेर बदल होने वाला है इसकी चर्चा बीते कई महीनो से जारी है लेकिन क्या होने वाला है यह कोई भी नहीं जानता। क्योंकि भाजपा में कुछ भी नामुमकिन नहीं है।

अलग-अलग स्थानों से 248 नशीले इंजेक्शन के साथ दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस व एसओजी टीम को खासी सफलता हाथ लगी है। पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम द्वारा अलग अलग स्थानों से दो नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 248 नशीले इंजेक्शन बरामद किये गये है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज एसओजी व कोतवाली हल्द्वानी पुलिस की सयुंक्त टीम ने एक सूचना के बाद कार्यवाही करते हुए क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान संयुक्त टीम को रामपुर रोड, गन्ना सेंटर के पास एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया।

टीम ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर रोका गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 200 नशीले इंजेक्शन बरामद हुए। पूछताछ में उसने अपना नाम आशिफ मलिक उर्फ आशू पुत्र नासिर मलिक निवासी बनभूलपुरा नैनीताल बताया। बताया कि वह नशीले इंजेक्शन उत्तर प्रदेश के बहेड़ी, जनपद बरेली में रोडवेज बस अड्डे के पास स्थित एक व्यक्ति किशन से खरीदता है। इन्हें फिर हल्द्वानी में युवाओं को ऊँचे दामों पर बेचकर मुनाफा कमाता है।

वहीं दूसरी ओर पुलिस टीम द्वारा चैकिंग के दौरान इंडियन बैंक के सामने, बरेली रोड, हल्द्वानी से सलिक अहमद पुत्र जमील अहमद निवासी गौजाजाली उत्तर, थाना बनभूलपुरा, को 48 नशीले इंजेक्शनो सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनो नशा तस्करों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

बाल विकास परियोजना कार्यालय में आधार अपडेशन में हो रही है अव्यवस्थाओं:नेगी

संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि बाल विकास परियोजना कार्यालय में आधार अपडेशन में अव्यवस्थाएं हो रही हैं।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने विकास नगर क्षेत्र में बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय में आधार अपडेशन में हो रही अव्यवस्थाओं को लेकर मोर्चा टीम के साथ व्यवस्थाएं परखी।

क्षेत्र की जनता की शिकायत की सत्यता परखने मौके पर पहुंचे नेगी ने देखा कि जनता के लिए न तो बैठने की कोई फर्नीचर इत्यादि की व्यवस्था है और न ही पंखे की कोई व्यवस्था। इतनी गर्मी में पेयजल तक की व्यवस्था भी नहीं है। नेगी ने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि परियोजना कार्यालय बिल्डिंग में साइन बोर्ड तक नहीं लगा है, जिस कारण आमजन इलाके में रहने वाले लोगों को कार्यालय का पता पूछ-पूछ कर थक जाते हैं, जिसके चलते कार्यालय क्षेत्र के आसपास निवासरत लोगों का जीना भी मुश्किल हो गया है।

नेगी ने निदेशक का नंबर उपलब्ध न होने पर जिला विकास अधिकारी जितेंद्र कुमार से दूरभाष पर वार्ता कर पूरे मामले से अवगत कराया तथा नाराजगी जाहिर की तथा इन व्यवस्थाओं को सुधारने हेतु मांग पत्र उच्च अधिकारियों को प्रेषित करने का आग्रह किया गया। नेगी ने कहा कि सुबह पांच बजे से लोग इन घरों की घंटिया बजाने लग जाते हैं। नेगी ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि अगर शीघ्र ही व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो कार्यालय में ताला जड़ दिया जाएगा। टीम में हाजी असद, प्रवीण शर्मा पिन्नी व रवि प्रकाश अग्रवाल मौजूद थे।

जनता चार साल, दस साल और हर साल का हिसाब मांगेगी भाजपा सेः धस्माना

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने श्रम कांग्रेस के बंटे पदों पर नियुक्ति पत्र देते हुए कहा कि जनता चार साल, दस साल और हर साल का हिसाब भाजपा से मांगेगी।

आज यहां उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन व प्रशासन सूर्यकांत धस्माना ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रदेश श्रम प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित सदस्यता अभियान के कार्यक्रम को मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहा कि बेशक भारतीय जनता पार्टी के नेता व कार्यकर्ता मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मुख्यमंत्री के रूप में चार साल पूरे होने का जश्न मना लें किन्तु उत्तराखंड की जनता भारतीय जनता पार्टी से चार साल दस साल और हर दिन का 2027 में हिसाब मांगेगी। उन्होंने कहा कि आज पूरे प्रदेश में जनता त्राहिमाम त्राहिमान कर रही है और भाजपाई जश्न में डूबे हुए हैं। उन्होंने कहा कि आज पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था चौपट है और पुलिस का भय अपराधियों के दिलों दिमाग से खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि धर्म नगरी ऋषिकेश में पिंक शौचालय में आठ साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म हो गया, हरिद्वार में भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व जिला अध्यक्ष ने अपनी ही 13 साल की मासूम बेटी को हैवानों के हवाले कर उसका बलात्कार करवा दिया, सल्ट व चंपावत के ब्लॉक अध्यक्षों द्वारा नाबालिग बच्चियों के साथ दुराचार, दुग्ध संघ के अध्यक्ष द्वारा महिलाओं के साथ दुराचार व हरिद्वार ओबीसी मंडल अध्यक्ष द्वारा नाबालिग से बलात्कार व हत्या की जघन्य घटनाओं को अंजाम दिया गया और भाजपा में जश्न मनाया जा रहा है। धस्माना ने कहा कि पूरे राज्य में आपदा आई हुई है पांच पांच हैली क्रैश हो गए हैं सड़कें व संपर्क मार्ग ध्वस्त पड़े हैं और भाजपा में चार साल का जश्न मनाया जा रहा है। धस्माना ने कहा कि आज प्रदेश में बेरोजगारी चरम पर है और महंगाई असमान छू रही है और भाजपा जश्न मना रही है उन्होंने कहा कि या संवेदनहीन सरकार है और इसके कुकर्मों का प्रदेश की जनता चार साल दस साल का क्या हर दिन का हिसाब 2027 में भाजपा से मांगेगी। धस्माना ने इस अवसर पर प्रदेश श्रम प्रकोष्ठ के विभिन्न पदों पर नियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति प्रदान करते हुए उनसे अपेक्षा की गई कि वे पार्टी के साथ अधिक से अधिक श्रमिकों को जोड़ने का काम करें।

त्रिस्तरीय जिला पंचायत चुनावः कांग्रेस समर्थित अभिषेक सिंह ने शक्ति प्रदर्शन के साथ दाखिल किया नामांकन

संवाददाता

देहरादून। चकराता के बृनाड वास्तिक क्षेत्र से जिला पंचायत सदस्य के लिए कांग्रेस समर्थित अभिषेक सिंह ने शक्ति प्रदर्शन के साथ नामांकन दाखिल किया।

आज यहां चकराता विधानसभा क्षेत्र के बृनाड वास्तिल क्षेत्र से जिला पंचायत सदस्य के लिए कांग्रेस पार्टी के समर्थित प्रत्याशी युवा नेता अभिषेक सिंह ने जिला पंचायत कार्यालय देहरादून में धूमधाम से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस अवसर पर अभिषेक सिंह के नामांकन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अजय नेगी, राजवीर राणा, अनूप राणा, प्रदेश प्रवक्ता दीप बोहरा, निशा राणा, पृथ्वी राणा, अमित चौहान, महेन्द्र राणा, सन्तराम चौहान, चतर सिंह सहित अनेक कांग्रेसियों एवं गणमान्य लोगों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने कहा कि अभिषेक सिंह की क्षेत्र में अपनी अलग पहचान है तथा वह भारी बहुमत से विजयी होंगें। इससे पूर्व पूर्व नेता प्रतिपक्ष व चकराता विधायक प्रीतम सिंह के यमुना कॉलोनी स्थित आवास पर भारी संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने उनका फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया।

इस अवसर पर अभिषेक सिंह ने पूर्व नेता प्रतिपक्ष व चकराता विधायक प्रीतम सिंह का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष चमन सिंह, ब्लॉक प्रमुख निधि राणा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश महामंत्री संजय पालीवाल, पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा, दीप बोहरा, मंजुला तोमर, सीताराम नौटियाल, अजय नेगी, अनिता निराला, संजय कनौजिया, बाला तोमर, पार्षद रॉबिन त्यागी, आयुष गुप्ता, विनित प्रसाद भटट, विजय रतूडी मोंटी आदि उपस्थित थे।

खरगोश की ये 5 प्रजातियां हैं सबसे ज्यादा लोकप्रिय

खरगोश एक प्यारा और चंचल जानवर है, जो कई लोगों को पसंद होता है। इनके कई प्रकार होते हैं, जो आकार, रंग और व्यवहार में अलग होते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ प्रमुख खरगोश प्रजातियों के बारे में बताएंगे, जो अपने अनोखे लुक और स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। इन प्रजातियों के बारे में जानकर आप समझ पाएंगे कि कौन-सा खरगोश आपके लिए सबसे उपयुक्त है।

हॉलैंड लॉप

हॉलैंड लॉप एक छोटी और भारी शरीर वाली प्रजाति है, जिनके बड़े और झूलते हुए कान होते हैं। इनका वजन लगभग डेढ़ से दो किलोग्राम तक होता है।

हॉलैंड लॉप बहुत ही प्यारे और मिलनसार होते हैं, जिससे इन्हें पालतू जानवर के रूप में रखना आसान होता है। इनकी फर की मोटी परत इन्हें ठंडे मौसम में भी आरामदायक महसूस कराती है। हॉलैंड लॉप बच्चों के साथ भी अच्छा व्यवहार करते हैं।

अमेरिकन फजी लॉप

अमेरिकन फजी लॉप एक खास प्रजाति है, जिनके मुलायम और फुलदार फर होते हैं। इनका वजन लगभग डेढ़ से ढाई किलोग्राम तक हो सकता है। अमेरिकन फजी लॉप बहुत ही सक्रिय और खेल-कूद करने वाले होते हैं, जिससे इन्हें पालतू जानवर के रूप में रखना मजेदार होता है। इनका फुलदार फर इन्हें बहुत आकर्षक बनाता है और इन्हें बच्चों के साथ खेलने में मजा आता है, जिससे वे परिवार के लिए अच्छे विकल्प बनते हैं।

यूरोपीय खरगोश

यूरोपीय खरगोश एक बड़ी प्रजाति है, जिनका वजन ढाई से चार किलोग्राम तक होता है। इनकी लंबी पूंछ और पतली टांगें इन्हें अन्य प्रजातियों से अलग बनाती हैं।

यूरोपीय खरगोश बहुत ही सक्रिय और चंचल होते हैं, जिससे इन्हें पालतू जानवर के रूप में रखना आसान नहीं होता। इनका आकार बड़ा होने के कारण इन्हें खुली जगह की जरूरत होती है ताकि वे स्वतंत्र रूप से घूम सकें और खेल सकें।

रैक्स खरगोश

रैक्स खरगोश मध्यम आकार के होते हैं, जिनका वजन लगभग तीन से पांच किलोग्राम तक हो सकता है।

इनकी खासियत इनका मुलायम फर है, जो रेशमी जैसा लगता है। रैक्स खरगोश काफी मिलनसार होते हैं, जिससे इन्हें पालतू जानवर के रूप में रखना आसान होता है। इनका फर बहुत ही आकर्षक होता है और इन्हें बच्चों के साथ खेलने में मजा आता है, जिससे वे परिवार के लिए अच्छे विकल्प बनते हैं।

पोलिश खरगोश

पोलिश खरगोश छोटी प्रजाति है, जिनका वजन लगभग डेढ़ से तीन किलोग्राम तक होता है। इनकी गोल आकार की आंखें और छोटे कान इन्हें बहुत प्यारा बनाते हैं। पोलिश खरगोश काफी मिलनसार होते हैं, जिससे इन्हें पालतू जानवर के रूप में रखना आसान होता है। इनका आकार छोटा होने के कारण इन्हें कम जगह की जरूरत होती है, जिससे वे अपार्टमेंट में रहने वालों के लिए अच्छे विकल्प बनते हैं। (आरएनएस)

जरूर जाने नारियल इस्तेमाल करने का लाभ

नारियल एक ऐसा फल है जो पूजा में जितना महत्वपूर्ण और शुभ माना जाता है, उतना ही सेहत के लिए भी फायदेमंद है। इतना ज्यादा फायदेमंद कि जानकर आपको हैरानी होगी। विटामिन और मिनरल से भरपूर होने के कारण नारियल एक सुपरफूड है जो आपकी सेहत समस्याओं को दूर करने में मददगार है।

इसमें ऐसे कई पोषक तत्व हैं जो आपकी सेहत और सौंदर्य दोनों के लिए फायदेमंद साबित होते हैं। आइए जानते हैं कितने फायदे देता है नारियल का प्रयोग-

गर्मी को खत्म करता है - शरीर या पेट में बढ़ रही गर्मी को कम करने के लिए नारियल खाना फायदेमंद होता है। आप चाहें तो इसके लिए नारियल पानी या नारियल क्रश भी ले सकते हैं जो गजब का असर दिखाएगा।

भरपूर नींद - तनाव भरी जिंदगी में नींद नहीं आने की समस्या आजकल आम होती जा रही है।

अगर आप भी अनिद्रा की समस्या से परेशान हैं तो रात को खाना खाने के आधे घंटे बाद नारियल का एक टुकड़ा जरूर खाएं। फिर देखिए कैसे नींद आती है।

पाचन होगा बेहतर - फाइबर से भरपूर कच्चा नारियल आपके पाचन तंत्र को बेहतर कर कब्ज जैसी समस्या को खत्म करेगा, जिससे पेट अच्छी तरह साफ होगा।

वजन होगा कम - रोजाना कच्चे नारियल का सेवन न केवल आपकी भूख को कंट्रोल कर मेटाबॉलिज्म को बेहतर करेगा, बल्कि शरीर में जमे अतिरिक्त वसा को भी जलाने में मदद करेगा।

दिल रहेगा दुरुस्त - नारियल सैचुरेटेड फैट से भरपूर है, इसलिए अगर आप रोजाना नारियल का एक टुकड़ा खाते हैं, तो यह अच्छा कोलेस्ट्रॉल को बनाए रखेगा और बुरे कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करेगा कंट्रोल में रहेगा। इसका सबसे बड़ा फायदा आपके दिल को होगा।

मानसून के दौरान आपकी फिटनेस के लिए इनडोर व्यायाम

प्रकृति के पूर्ण वैभव को देखने के लिए वर्ष का सबसे अच्छा समय मानसून के दौरान होता है। हालांकि, मानसून अपनी कभी न खत्म होने वाली बीमारी और ठंड के लिए कुख्यात है। पूरे मौसम में किसी की प्रतिरक्षा प्रणाली का परीक्षण किया जाता है। और यह वहां नहीं रुकता। हैजा, डेंगू बुखार, या अन्य कष्टदायक बीमारियों के अनुबंध की संभावना हमेशा बनी रहती है। तो, एक सुरक्षित और स्वस्थ रहते हुए मानसून का आनंद कैसे ले सकते हैं? खाने की अच्छी आदतें, व्यायाम और पर्याप्त आराम कुछ ऐसे कारक हैं जो बारिश के मौसम में आपको सुरक्षित रख सकते हैं।

भुजंगासन (कोबरा पोस्ट): भुजंगासन भुजंगा (कोबरा या सांप) और आसन (स्थिति) शब्दों से बना है। भुजंगासन का दूसरा नाम कोबरा स्ट्रेच है। यह आपके शरीर (विशेषकर आपकी पीठ) को फैलाता है और तेजी से आपके तनाव को दूर करता है।

वृक्षासन (वृक्ष मुद्रा): वृक्षासन एक संस्कृत संज्ञा है जो वृक्ष और आसन शब्दों को जोड़ती है। वृक्ष के लिए संस्कृत शब्द वृक्ष है, जबकि आसन के लिए संस्कृत शब्द आसन है। वृक्षासन एक स्थायी मौलिक योग स्थिति है। इसके अलावा, हिंदू धर्म में, ऋषियों ने इस रुख का उपयोग तपस्या या तपस्या के रूप में किया।

शिशुआसन (बाल मुद्रा): एक बच्चे की मुद्रा, जिसे बालासन / शिशुआसन के रूप में भी जाना जाता है, एक शुरूआती स्थिति है जो मन और शरीर को आराम देने में सहायता करती है।

ताड़ासन (पर्वत मुद्रा): जबकि ताड़ासन सबसे मौलिक योग आसनों में से एक है, यह सभी स्तरों के लिए एक चुनौती है और विभिन्न शारीरिक और भावनात्मक लाभ प्रदान करता है। ताड़ासन आपके शरीर और दिमाग को शांत करता है, आंतरिक शांति को बढ़ावा देता है।

पादंगुष्ठासन (पैर का अंगूठा): पादंगुष्ठासन अष्टांग योग में एक मूलभूत आसन है। पदंगुष्ठासन शरीर की हर मांसपेशियों को सिर से पैर तक फैलाता है। यह शरीर को आराम देता है और बेचैनी को शांत करता है। यह अन्य बातों के अलावा फ्लैट पैरों के लिए फायदेमंद है।

त्रिकोणासन (त्रिकोण मुद्रा): त्रिकोणासन संस्कृत शब्द 'त्रिकोना' (तीन कोनों) और 'आसन' (मुद्रा) से लिया गया है। त्रिकोणासन योग, जिसे त्रिभुज स्थिति व्यायाम के रूप में भी जाना जाता है, एक स्थायी मुद्रा है जो शक्ति, संतुलन और लचीलेपन में सुधार करती है।

उत्कटासन (कुर्सी मुद्रा): कुर्सी मुद्रा, जिसे संस्कृत में अजीब कुर्सी मुद्रा और भयंकर रुख के रूप में भी जाना जाता है, आसन या योग अभ्यास का एक रूप है। कुर्सी की मुद्रा संतुलन और लचीलेपन में सुधार करते हुए आपके पैरों, ऊपरी पीठ और कंधों को मजबूत करती है।

मॉनसून के दौरान अस्थमा के मरीज बरतें ये सावधानियां

अस्थमा सांस से जुड़ी गंभीर बीमारी है जिसके कारण व्यक्ति को सांस लेने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। यह परेशानी बढ़ने पर पीड़ित व्यक्ति को इनहेलर का सहारा लेना पड़ता है। कुछ मामलों में अस्थमा का दौरा व्यक्ति के लिए जानलेवा भी साबित हो जाता है। इसके कारण दमा से पीड़ित व्यक्ति को विशेषकर बदलते मौसम में खुद का ज्यादा ध्यान रखना पड़ता है।

मॉनसून के साथ आने वाली ठंडी हवा और नमी दूसरों को राहत दे सकती है लेकिन अस्थमा के मरीजों के लिए, यह दौरे का कारण बन सकती है। ऐसे में कुछ सावधानियां बरतने की खास जरूरत है।

सावधानियां: बारिश के मौसम में दीवारों में नमी जमा हो जाती है, जिससे कई बार काई जमा हो जाती है। यह दोनों ही स्थिति अस्थमा के मरीजों के लिए अच्छी नहीं है।

आजकल बाजार में कई तरह के प्रॉडक्ट्स मौजूद हैं जिनसे दीवारों को डैम्प-प्रूफ बनाया जा सकता है, चाहे तो इनका भी इस्तेमाल किया जा सकता है, या काई जमा होने पर दीवार को ब्लीच से साफ करें। घर में ड्यूमिडिफायर मशीन का इस्तेमाल करें ताकि नमी जमा न हो सके।

कूलर की जगह ऐसी यूज करें। कूलर से घर में नमी बढ़ती है जो मरीजों के लिए ठीक नहीं है।

बाहर बारिश हो तो घर के दरवाजे बंद रखें। साथ ही में बाथरूम के दरवाजे भी बंद रखें, ताकि मॉइस्चर इकट्ठा न हो सके।

पोलन्स के कारण अस्थमा अटैक ट्रिगर हो सकता है। ऐसे में सुबह के समय बाहर वॉक पर जाने से बचें, क्योंकि इस दौरान हवा में पोलन्स की मौजूदगी ज्यादा होती है।

इनडोर प्लांट्स न रखें, इससे अस्थमा के मरीजों को दिक्कत हो सकती है।

बारिश के दौरान होने वाली उमस के कारण वातावरण में मौजूद प्रदूषण के कण हट नहीं पाते हैं, ऐसे में बेहतर होगा कि मास्क का उपयोग किया जाए।

मॉनसून में पालतू जानवरों के बाल ज्यादा झड़ते हैं, इसलिए इसे लेकर भी सजग रहें। फर या बाल सांस के साथ अंदर जाने पर अस्थमा के मरीजों को दौरा पड़ सकता है।

इनहेलर और अस्थमा की दवाई हमेशा साथ रखें।

ऐसी स्थितियों को अवॉइड करें जिनसे खांसी या सर्दी होने का खतरा हो सकता है।

घर को साफ रखें। चीजों पर धूल न जमने दें नहीं तो यह सांस के साथ लंग्स में पहुंचकर अटैक का कारण बन सकता है।

आतंकवाद समूची दुनिया के लिए जबरदस्त चुनौती

वित्त मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान को चेताया है कि भारत को आतंकवादी हमलों के जरिए उकसाया गया तो हम पाकिस्तान के भीतर जाकर हमला करने में हिचकि चाएंगे नहीं। यूरोपीय संघ के उच्चस्तरीय व्यापार संवादों में भाग लेते हुए उन्होंने ब्रसेल्स में एक सवाल के जवाब में कहा कि उन्हें संदेश है कि अप्रैल जैसी बर्बर हरकत को जारी रखा गया तो जवाबी कार्रवाई का सामना करना होगा जो आतंकवादी संगठनों व आतंकवादी नेतृत्व के खिलाफ होगी। जयशंकर ने कहा, हमें परवाह नहीं कि वे कहां हैं। अगर वे पाकिस्तान के भीतर हैं तो हम पाकिस्तान में अंदर तक जाएंगे। उन्होंने पड़ोसी दुश्मन मुल्क में आतंकियों को दिए जा रहे प्रशिक्षण और उनके भारत में घुसपैठ करने पर कड़ी कार्रवाई की बात भी दोहराई। उन्होंने भारतीय एयर स्ट्राइक से हुई पाकिस्तान को क्षति के आरोपों का भी अपने अंदाज में करारा जवाब दिया। कहा कि सबूत तो वही एयर फील्ड हैं, जो अब काम नहीं कर रहे। पाकिस्तान की हवाई पट्टियों को नुकसान को गूगल सैटेलाइट से देखने की सलाह भी दे डाली। बेशक, भारत के ऑपरेशन सिंदूर को सारी दुनिया ने देखा जब 6-7 मई की दरमियानी रात भारतीय सशस्त्र बलों ने दुश्मन देश के भीतर घुस कर पच्चीस मिनट में नौ आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया था। इनमें से पांच तो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में ही थे। जयशंकर ने भारत का रुख स्पष्ट करते हुए विदेशी मीडिया को साफ संकेत दिया कि पाकिस्तानी वायु सेना को भारतीय लड़ाकू विमानों व मिसाइलों ने जबरदस्त क्षति पहुंचाई। अल्पभाषी जयशंकर स्पष्ट और सटीक बात करने के मामले में अपने समकालीन राजनेताओं से बिल्कुल भिन्न हैं। जैसा कि उन्होंने विदेशी मीडिया के समक्ष न सिर्फ भारत का रुख स्पष्ट किया बल्कि उन संदेहों को भी साफ किया जो पाकिस्तान जानबूझकर फैला रहा है। दोनों मुल्कों के दरम्यान हुए युद्ध विराम व तमाम आरोपों-प्रत्यारोपों के बावजूद दुनिया की महाशक्तियों के समक्ष भारत सरकार ने नये प्रतिमान गढ़ने का अपना इरादा डंके की चोट पर प्रदर्शित ही नहीं किया बल्कि देश की सुरक्षा और अपने नागरिकों की हत्या के खिलाफ की कड़ी कार्रवाई को न्यायोचित ठहराने में कोई कोताही भी नहीं कर रहा है। आतंकवाद समूची दुनिया के लिए जबरदस्त चुनौती है जिसके प्रति कोई भी सहिष्णुता दर्शाने को राजी नहीं है। पाकिस्तान के प्रति सहानुभूति रखने वाले भी इस मुद्दे पर बगले झांकते नजर आते हैं।(आरएनएस)

छाया पकड़ने की कोशिश!

दुनिया में इतने ज्यादा प्रार्थनाघर हैं, लोगों की लंबी-लंबी कतारें उनमें लगी हुई हैं, करोड़ों का कारोबार चलता है, फिर भी दुनिया परमात्मा की उपस्थिति से रिक्त मालूम होती है। एक आध्यात्मिक सूनापन लगता है, कोई सुकून नहीं दिखाई देता। इतनी हिंसा, इतने उपद्रव क्या भगवत्ता का प्रमाण देते हैं? ओशो का निदान है कि असली परमात्मा से हमारा कोई संबंध नहीं है, हमने उसकी अनगिनत छाया बना ली हैं। तरह-तरह की मूर्तियां बनाकर हम अपनी सांत्वना कर लेते हैं कि यही परमात्मा है। लेकिन ये छाया हैं, इनका मूल जो है, वह तो चेतना है, उसे पकड़ा नहीं जा सकता। हमने प्रार्थना को पहले रख लिया है और परमात्मा को पीछे। प्रार्थना यानी मांग। हमने छाया को पहले रख लिया है और मूल को पीछे। छाया को पकड़ने चले हैं और मूल पकड़ में आता नहीं। एक कहानी है। सुबह की धूप में घर के आंगन में एक बच्चा खेल रहा था और अपनी छाया को पकड़ने की कोशिश में जुटा था। वह अपनी छाया पर झपट्टा मारता, मगर छाया पकड़ में नहीं आती, तो रोता-चिल्लाता और फिर से झपट्टा मारता। उसकी मां उसे समझाए जा रही थी कि बेटा, छाया पकड़ में नहीं आती! मगर वह मानता ही नहीं था। छाया सामने दिखाई पड़ रही, तो पकड़ में क्यों नहीं आएगी? यह तो रही हाथ भर की दूरी पर। तो वह फिर उसकी ओर सरकता, फिर पकड़ने की कोशिश करता, लेकिन वह जैसे ही साया की ओर सरकता, छाया भी आगे सरक जाती। द्वार पर एक फकीर आया। वह बच्चे की चेष्टा देखकर हंसने लगा। उसने बच्चे की मां से कहा, क्या मैं अंदर आ सकता हूं? मैं समझा सकता हूं इस बच्चे को। मां थक गई थी। उसने कहा, जरूर आइए, सुबह से मुझे परेशान किए हुए है, काम भी नहीं करने देता। छाया पकड़ना चाहता है! छाया भी कहीं पकड़ी जाती है? फकीर ने कहा, पकड़ने का ढंग होता है। उसने बच्चे का हाथ लिया और उसके ही सिर पर रख दिया। तुरंत उसकी छाया बदल गई। इधर बच्चे का हाथ सिर पर गया, उधर छाया भी पकड़ में आ गई। बच्चा खिलखिलाने लगा। अपने को पकड़ने से छाया पकड़ में आ गई। मूल को पकड़ा, तो छाया पकड़ में आ गई। यह गहरा सूत्र है उन सबके लिए, जो बाहर खोज रहे हैं। बाहर लोग जो खोज रहे हैं, वे सब छाया हैं। ईश्वर नाम का कोई व्यक्ति कभी नहीं मिलेगा। ईश्वर आपके ही निर-अहंकार भाव-दशा का नाम है! वह कोई व्यक्ति नहीं, वह कोई आकाश में स्वर्ण-सिंहासन पर विराजमान जगत का शासक नहीं। परमात्मा है आपकी ही वह विशुद्ध स्थिति, जब अहंकार की जरा सी भी मात्रा शेष नहीं रह जाती। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है भिंडी

भिंडी एक ऐसी सब्जी है, जो न केवल स्वाद में लाजवाब है, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसमें विटामिन्स, मिनरल्स और फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो हमारे शरीर को कई तरह के लाभ प्रदान कर सकते हैं। यह सब्जी खासतौर पर मधुमेह और पाचन समस्याओं से ग्रस्त लोगों के लिए बहुत फायदेमंद होती है। आइए जानते हैं कि भिंडी को अपनी डाइट में शामिल करने से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

मधुमेह के स्तर को नियंत्रित रखने में है सहायक

मधुमेह एक गंभीर बीमारी है, जिससे लाखों लोग प्रभावित होते हैं। भिंडी का सेवन मधुमेह के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद कर सकता है। इसमें मौजूद कुछ खास तत्व इंसुलिन के स्तर को संतुलित रखने में सहायक होते हैं। इसके अलावा भिंडी में मौजूद फाइबर रक्त शर्करा के स्तर को स्थिर रखने में भी मदद करता है। इसलिए मधुमेह रोगियों के लिए भिंडी को अपनी डाइट में शामिल करना फायदेमंद हो सकता है।

पाचन क्रिया को स्वस्थ रखने में है मददगार

भिंडी फाइबर का अच्छा स्रोत होने के कारण पाचन क्रिया को स्वस्थ रखने में मदद कर सकती है।

इसमें मौजूद फाइबर भोजन को आसानी से पचाने में सहायक होता है, जिससे कब्ज, गैस जैसी समस्याओं से राहत मिलती है।

इसके अलावा भिंडी में मौजूद तत्व पाचन तंत्र को मजबूती देते हैं और उसकी कार्यक्षमता को बेहतर बनाते हैं। इसलिए रोजाना थोड़ी मात्रा में भिंडी का सेवन करने से पाचन क्रिया बेहतर रहती है।

हृदय स्वास्थ्य के लिए है फायदेमंद

भिंडी का सेवन दिल के स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद तत्व दिल की बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं और रक्तचाप को नियंत्रित रखते हैं।

इसके अलावा भिंडी में मौजूद फाइबर खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करता है, जिससे दिल से जुड़ी समस्याओं का खतरा कम होता है।

भिंडी में पोटेशियम भी होता है, जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में सहायक होता है।

त्वचा की समस्याओं को करता है दूर

भिंडी में विटामिन-सी की भरपूर मात्रा होती है, जो त्वचा की समस्याओं जैसे मुंहासे, दाने आदि को दूर करने में मदद करता है।

विटामिन-सी त्वचा को निखार देने के साथ-साथ उसे स्वस्थ बनाए रखने में भी सहायक होता है।

इसके अलावा भिंडी में मौजूद तत्व त्वचा को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों से बचाते हैं और उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करते हैं।

बालों की गुणवत्ता में सुधार करने में है सक्षम

बालों की गुणवत्ता सुधारने के लिए भी भिंडी बहुत उपयोगी साबित हो सकती है। इसमें मौजूद विटामिन्स बालों की जड़ों तक पहुंचते हुए उन्हें मजबूती देते हैं, जिससे बाल टूटते नहीं हैं। इसके अलावा यह बालों की लंबाई बढ़ाने में मददगार होता है। भिंडी में मौजूद फाइबर बालों की जड़ों तक पहुंचते हुए उन्हें पोषण प्रदान करता है, जिससे बाल स्वस्थ रहते हैं। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -92

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्‌भूत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे

2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।

1	2	■	3	4	5	■	6	7
■	8	9				■	■	
10			■	11		12	13	■
14		■	15	■	■	16		17
	■	18		19	20	■	21	
22			■	23		■	■	
■	■		■		■	24	25	
26				■	27			■
	■		■	■	28			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 91 का हल

टे	ढ़ा	मे	ढ़ा	■	म	हा	र	त
क	■	ह	■	■	■	■	ज	न
■	जा	न	की	■	क	म	नी	य
■	■	त	म	क	ना	■	■	■
म	■	■	त	ह	त	■	दा	ब
सी	मा	■	■	ला	■	स	न	द
हा	थ	म	ल	ना	■	वा	■	च
■	■	द	■	■	घा	ल	मे	ल
■	ब	द	ह	वा	स	■	■	न

कॉमेडियन प्रवीण की फिल्म बकासुरा रेस्टोरेंट का ट्रेलर रिलीज

कई सफल फिल्मों में अपने अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले जाने-माने अभिनेता और कॉमेडियन प्रवीण आगामी फिल्म बकासुर रेस्टोरेंट में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। विवा हर्षा शीर्षक भूमिका में दिखाई देंगे। फिल्म में कृष्ण भगवान, शाइनिंग फणी और केजीएफ गरुड़ राम भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। एसजे शिवा द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्देशन उनके निर्देशन में पहली बार किया जा रहा है और इसका निर्माण एसजे मूवीज के बैनर तले लक्ष्मय्या अचारी और जनार्दन अचारी ने किया है। फिल्मांकन पूरा होने के साथ ही अब फिल्म रिलीज के लिए तैयार है। भूख मिटाने वाली कॉमेडी एंटरटेनर के रूप में वर्णित, बकासुरा रेस्टोरेंट का ट्रेलर रिलीज़ किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जाने-माने निर्देशक मारुति शामिल हुए और ट्रेलर का अनावरण किया।

इस अवसर पर बोलते हुए प्रवीण ने कहा, बकासुरा रेस्टोरेंट जल्द ही शुरू हो जाएगा। मुझे खुशी है कि मारुति गरु ने हमारा ट्रेलर रिलीज़ किया। उनकी फ़िल्म प्रेम कथा चित्रम ने मेरे करियर को आकार देने में अहम भूमिका निभाई। मुझे खुशी है कि अब वे मेरी फ़िल्म का ट्रेलर लॉन्च कर रहे हैं। मैं उनका आभारी हूँ।

निर्देशक मारुति ने कहा, शीर्षक ही अपने आप में एक सफलता है। यह एक अच्छा नाम है, और इससे यह आभास होता है कि फिल्म भी अच्छी होगी। एक अच्छे शीर्षक ने इस फिल्म को एक सकारात्मक वाइब दिया है। मैं लंबे समय से प्रवीण को मुख्य भूमिका में देखना चाहता था, और आज यह साकार हो गया है। मुझे विश्वास है कि यह फिल्म प्रवीण के करियर में एक मील का पत्थर साबित होगी और निश्चित रूप से दर्शकों को पसंद आएगी। मुझे उम्मीद है कि फिल्म सफल होगी और पूरी यूनिट को पहचान दिलाएगी।

निर्माता जनार्दन अचारी ने कहा, जब शिव ने यह लाइन सुनाई, तो मुझे यह तुरंत पसंद आ गई। हमने तुरंत ही इस भूमिका के लिए प्रवीण के बारे में सोचा। इस फिल्म के लिए चुने गए सभी कलाकार अपने किरदारों में पूरी तरह से फिट बैठते हैं और उन्होंने बेहतरीन सहयोग दिया है। केजीएफ गरुड़ राम के किरदार को खूब सराहा जाएगा। फिल्म को सभी द्वारा निश्चित रूप से सराहा जाएगा।

निर्देशक एसजे शिवा ने कहा, बकसुरा रेस्टोरेंट में प्रवीण को मुख्य अभिनेता के रूप में पेश करना खुशी की बात है। यह फिल्म उनके लिए बड़ी सफलता होगी। विवा हर्षा शीर्षक भूमिका निभा रहे हैं। तेलुगु सिनेमा में अब तक ऐसी कहानी नहीं बनी है। फिल्म में हर किरदार को सोच-समझकर बनाया गया है। हमारे तकनीशियनों ने हमें बेहतरीन सहयोग दिया है। हमें पूरा विश्वास है कि यह फिल्म सभी का मनोरंजन करेगी।

कलाकारों में प्रवीण, विवा हर्ष, शाइनिंग फानी (बामचिक बंटी), केजीएफ गरुड़ राम, कृष्णा भगवान, श्रीकांत अयंगर, उप्पेना जयकृष्ण, विवेक दांडू, अमर, राम पाटस, राम्या प्रिया, प्राची ठाकुर और जबरदस्त अप्पाराव शामिल हैं। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी बाला सरस्वती, संपादन मार्तंड के. वेंकटेश और संगीत विकास बडीसा का है। श्री राजा सीआर थंगला द्वारा कला निर्देशन के साथ, विनय कोट्टी कार्यकारी निर्माता के रूप में कार्य करते हैं। फिल्म के पीआरओ एलुरु श्रीनु और मादुरी मधु हैं।

अश्विन बाबू अभिनीत मेडिकल थ्रिलर वचिनवाडु गौतम का टीज़र आउट

अश्विन बाबू की आगामी मेडिकल थ्रिलर, वचिनवदु गौतम का टीज़र रिलीज़ हो गया है, जिसने काफ़ी चर्चा बटोरी है। इस फ़िल्म का निर्देशन ममीडाला एम.आर. कृष्णा ने किया है और अरुणश्री एंटरटेनमेंट के बैनर तले टी. गणपति रेड्डी ने इसका निर्माण किया है। टीज़र में मंचू मनोज की दमदार आवाज़ है, जो एक्शन से भरपूर सवारी के लिए माहौल तैयार करती है। अपने आकर्षक दृश्यों और गहन कहानी के साथ, टीज़र ने फ़िल्म के लिए उम्मीदें बढ़ा दी हैं।

टीजर में गौतम की भूमिका में अश्विन बाबू को शक्तिशाली और रहस्यमयी उपस्थिति के साथ दिखाया गया है। उनकी बॉडी लैंग्वेज और एक्शन टाइमिंग रोमांचकारी है, और भावनात्मक तीव्रता कहानी की गहराई को दर्शाती है। टीजर में एक्शन सीक्वेंस भी उल्लेखनीय हैं, जो कुछ नया और रोमांचक साझा करते हैं। निर्देशक ममीडाला एम.आर. कृष्णा एक नियमित एक्शन एंटरटेनर के बजाय स्क्रीन पर एक नई अवधारणा लेकर आ रहे हैं।

टीजर में फिल्म के तकनीकी मानक स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं, जिसमें एम.एन. बाल रेड्डी की सिनेमैटोग्राफी और गौरा हरि का बैकग्राउंड म्यूजिक इसकी तीव्रता को और बढ़ा रहा है। फिल्म के प्रोडक्शन वैल्यू स्पष्ट रूप से उच्च हैं, जिसमें एक आकर्षक कहानी और रोमांचकारी एक्शन सीक्वेंस बनाने के लिए बहुत प्रयास किया गया है। संगीत सनसनी एसएस थमन और हिट निर्देशक शैलेश कोलानू ने टीजर लॉन्च किया, जिसे दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।

फिल्म की कहानी और किरदार आशाजनक लग रहे हैं, और दर्शक बेसब्री से इसकी रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। अपनी अनूठी अवधारणा और उच्च उत्पादन मूल्यों के साथ, वचिनवदु गौतम एक दिलचस्प फिल्म बन रही है। टीजर ने काफी दिलचस्पी पैदा की है, और दर्शक गौतम के रूप में अश्विन बाबू के शक्तिशाली प्रदर्शन को देखने के लिए उत्सुक हैं।

27 जून को दुनियाभर में रिलीज होगी विक्रम प्रभु की लव मैरिज

निर्देशक शनमुगा प्रियन की आगामी रोमांटिक कॉमेडी लव मैरिज इस साल 27 जून को दुनियाभर में रिलीज होगी, जिसमें विक्रम प्रभु और सुष्मिता भट्ट मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का निर्माण करने वाले प्रोडक्शन हाउस में से एक एश्योर फिल्म्स ने एक्स पर अपनी टाइमलाइन पर लिखा, फील-गुड फैमिली एंटरटेनर ह्वलवमैरिज 27 जून को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

प्यार, हंसी, परिवार और इन सबके बीच की हर चीज का जश्न। विक्रम प्रभु और सुष्मिता भट्ट के अलावा, फिल्म में मीनाक्षी दिनेश, रमेश थिलक, अरुलदोस, गजराज, मुरुगनाथम और कोडंगी वाडिवेलु भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। अभिनेता सत्यराज भी फिल्म में एक कैमियो भूमिका निभाते नजर आएंगे।

फिल्म की कहानी उस मजेदार घटनाक्रम से संबंधित है, जब एक 33 वर्षीय दूल्हा अंततः शादी करने का निर्णय लेता है और उसका परिवार उसके लिए उपयुक्त रिश्ता तय करता है। आईएएनएस को दिए एक विशेष इंटरव्यू में शनमुगा प्रियन ने पहले कहा था, यह फिल्म न केवल देर से होने वाली शादी के मुद्दे के बारे में होगी, बल्कि इसमें शामिल दो परिवारों के बीच संबंधों के बारे में भी होगी।

इस फिल्म के साथ निर्देशक के रूप में अपनी शुरुआत कर रहे शनमुगा प्रियन ने इससे पहले फिल्म निर्माता आनंद शंकर के लिए फिल्म नोटा और एनिमी में सहयोगी निर्देशक के रूप में काम किया था और फिल्म निर्माता रा. कार्तिक के लिए फिल्म निथम ओरु वनम में सह-निर्देशक के रूप में काम किया था।

तमिल संगीत उद्योग में वर्तमान सनसनी सीन रोल्डन ने इस फिल्म के लिए संगीत तैयार किया है, जिसकी सिनेमैटोग्राफी माधन क्रिस्टोफर ने की है। भरत विक्रमन संपादन कार्यों की देखरेख कर रहे हैं और एम. मुरली प्रोडक्शन डिजाइनिंग का ध्यान रख रहे हैं। मनोरंजन तत्वों से भरपूर यह फिल्म ग्रामीण पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म का निर्माण राइज ईस्ट एंटरटेनमेंट ने एश्योर फिल्म्स के सहयोग से किया है।

वामिका गब्बी ने स्टाइलिश ड्रेस में बिखेरा हुस्न का जलवा

एक्ट्रेस वामिका गब्बी ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर अपने लेटेस्ट लुक से तहलका मचा दिया है। वामिका ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर कुछ बेहद स्टाइलिश तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह लिलैक कलर की स्ट्रेपलेस ड्रेप ड्रेस में नजर आ रही हैं। उनका ये लुक न सिर्फ ग्लैमरस है, बल्कि काफी एलिगेंट भी लग रहा है। तस्वीरों में वामिका ने मल्टीकलर एंब्रॉयडरी वाला फ्लोरल टॉप कैरी किया है, जो उनके आउटफिट को रिच और रॉयल फील दे रहा है। उन्होंने लाइट मेकअप और खुले बालों के साथ इस लुक को कंप्लीट किया। कैमरे के सामने उनका कॉन्फिडेंस और पोज़ काफी इंप्रेसिव रहा।

फैंस वामिका के इस ग्लैमरस अवतार की जमकर तारीफ कर रहे हैं। किसी ने उन्हें %गॉर्जियस क्वीन' कहा तो किसी ने %स्टाइल दीवा'। पोस्ट पर कुछ ही घंटों में हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं।

वामिका का यह बोल्ड और ग्रेसफुल लुक यह साबित करता है कि वह न सिर्फ शानदार परफॉर्मर हैं, बल्कि स्टाइल के मामले में भी किसी से कम नहीं। सोशल मीडिया पर उनका ये लुक फिलहाल ट्रेंड में बना हुआ है।

अंतरिक्ष में भारत की खगोलीय यात्रा के 11 वर्ष

डॉ. जितेन्द्र सिंह

केरल के थुंबा में मछली पकड़ने वाले शांत गाँव के चर्चयार्ड से साउंडिंग रॉकेट के प्रक्षेपण के साथ शुरू हुई भारत की अंतरिक्ष यात्रा के बारे में शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि एक दिन देश कितनी ऊँचाईयों को छूएगा। यह समय दृढ़ संकल्प का था, जब सितारों तक पहुँचने का सपना सीमित साधनों, लेकिन असीम महत्वाकांक्षा के साथ परवान चढ़ा।

आज, वह सपना विकसित होकर एक राष्ट्रीय मिशन का रूप अख्तियार कर चुका है, और जब हम नरेन्द्र मोदी सरकार के ग्यारह वर्षों को चिन्हित कर रहे हैं, तो भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में आमूल-चूल बदलाव आ चुका है - यह साहसपूर्ण, समावेशी और आम नागरिकों के जीवन से गहराई से संबद्ध है। यह परिवर्तन केवल रॉकेट और उपग्रहों से ही संबंधित नहीं है, अपितु यह लोगों के बारे में है। यह दर्शाता है कि दूरदराज के गाँव के किसान से लेकर डिजिटल कक्षा के छात्र तक, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी किस प्रकार रोजमर्रा की जिंदगी की लय में खामोशी से शामिल हो चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और अंतरिक्ष विभाग के रणनीतिक नेतृत्व में, भारत ने विकास, सशक्तिकरण और अवसर के उपकरण के रूप में अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम की नए सिरे से परिकल्पना की है। साल २०१४ से शुरू किए गए सुधारों ने नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। २०२० में इन-स्पेस की स्थापना ने निजी कंपनियों को अंतरिक्ष गतिविधियों में भाग लेने का अवसर प्रदान किया, जिससे नवाचार की लहर उठी। आज, ३०० से अधिक अंतरिक्ष-प्रौद्योगिकी स्टार्टअप उपग्रह बना रहे हैं, प्रक्षेपण वाहन डिजाइन कर रहे हैं तथा कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और नेविगेशन के क्षेत्र में सेवाएं देने वाले अनुप्रयोग विकसित कर रहे हैं। ये स्टार्टअप केवल प्रौद्योगिकी ही सृजित नहीं कर रहे हैं - वे खासकर टियर 2 और टियर 3 शहरों में युवा इंजीनियरों और उद्यमियों के लिए रोजगार के अवसरों का भी सृजन कर रहे हैं। उदारीकृत अंतरिक्ष नीति ने अंतरिक्ष सेवाओं को अधिक किफायती और सुलभ बना दिया है, जिससे उन्नत प्रौद्योगिकी का लाभ जमीनी स्तर पर पहुंच रहा है।

भारत के उपग्रह अब मौसम पूर्वानुमान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिनकी बदौलत किसानों को अपनी बुवाई और कटाई के चक्रों की योजना अधिक सटीकता से बनाने में मदद मिलती है। बाढ़-ग्रस्त क्षेत्रों में, उपग्रह डेटा प्रारंभिक चेतावनी और आपदा प्रतिक्रिया को सक्षम बनाता है, जिससे जीवन और आजीविका की रक्षा होती है। चक्रवातों और सूखे के दौरान रिमोट सेंसिंग के कारण अधिकारियों को तैयार रहने और नुकसान को कम करने में मदद मिलती है। ग्रामीण क्लीनिकों में, उपग्रह कनेक्टिविटी द्वारा संचालित टेलीमेडिसिन की बदौलत शहरी केंद्रों के डॉक्टरों द्वारा दूरदराज के क्षेत्रों में रोगियों को परामर्श मुमकिन हो पाता है, जिससे स्वास्थ्य सेवा से संबंधित खाई पाटना संभव होता है। सैटेलाइट बैंडविड्थ द्वारा समर्थित ई-लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म यह सुनिश्चित करते हुए कि भूगोल अब सीखने में बाधा नहीं रहा है, दूर-दराज के गाँवों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हैं।

भारत के स्वदेशी जीपीएस नेटवर्क-नाविक प्रणाली का इस्तेमाल अब वाहनों में नेविगेशन, ट्रेनों और जहाजों पर नज़र रखने और मछुआरों को किनारे पर सुरक्षित वापस लाने के लिए किया जाता है। कृषि में, उपग्रह परामर्श से किसानों को मिट्टी की नमी, फसल की सेहत और कीटों के संक्रमण की निगरानी करने में मदद मिलती है, जिससे उचित निर्णय लेने और बेहतर पैदावार प्राप्त करने में मदद मिलती है। ये काल्पनिक लाभ नहीं हैं, बल्कि - ये लाखों लोगों के जीवन में आया वास्तविक, उल्लेखनीय सुधार हैं।

बीते दशक में शुरू किए गए मिशनों ने दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। मंगलयान भारत की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता प्रदर्शित करते हुए अपने पहले ही प्रयास में मंगल पर पहुँच गया। चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट उतरा, ऐसा क्षेत्र जहां बर्फ होने का अनुमान है, और इसके रोवर ने ऐसे प्रयोग किए जो भविष्य के चंद्र मिशनों को जानकारी प्रदान करेंगे। आदित्य-एल1 अब सौर तूफानों का अध्ययन कर रहा है, जिससे वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष के मौसम तथा संचार प्रणालियों और बिजली ग्रिड पर इसके प्रभाव को समझने में मदद मिल रही है।

साल २०२७ के लिए निर्धारित गगनयान मिशन भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजेगा। लेकिन चालक दल की उड़ान से पहले ही, यह मिशन नई पीढ़ी को प्रेरित कर रहा है। अंतरिक्ष यात्रियों का प्रशिक्षण, सुरक्षा प्रणालियों का विकास और चालक दल रहित परीक्षण उड़ानें व्यापक प्रभाव उत्पन्न कर रही हैं - अनुसंधान को बढ़ावा दे रही हैं, प्रतिभाओं को आकर्षित कर रही हैं और राष्ट्रीय गौरव का निर्माण कर रही हैं। भविष्य पर गौर करते हुए, भारत २०३५ तक अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन- भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन- बनाने की योजना बना रहा है। पहला मॉड्यूल २०२८ में लॉन्च होने की उम्मीद है, और अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग की हाल की सफलता ने इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य के लिए आवश्यक तकनीकों की पुष्टि की है।

इन बढ़ती महत्वाकांक्षाओं में सहायता देने के लिए, भारत अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यान (एनजीएलवी) का विकास कर रहा है, जो पृथ्वी की निचली कक्षा में ३०,००० किलोग्राम वजन ले जाने में सक्षम है। इसमें पुनः प्रयोज्य चरण और मॉड्यूलर प्रणोदन प्रणाली होगी, जिससे अंतरिक्ष तक पहुँच अधिक किफायती और टिकाऊ हो जाएगी। लॉन्च की बढ़ती बारंबारता को संभालने और वाणिज्यिक मिशनों की सहायता करने के लिए श्रीहरिकोटा में एक तीसरा लॉन्च पैड और तमिलनाडु में एक नया स्पेसपोर्ट बनाया जा रहा है।

भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम बेहद सहयोगपूर्ण भी है। नासा के साथ निसार मिशन पृथ्वी के पारिस्थितिकी तंत्र और प्राकृतिक खतरों की निगरानी करेगा। जापान के साथ लूपेक्स मिशन भारी रोवर के साथ चंद्रमा के ध्रुवीय क्षेत्रों का पता लगाएगा। ये साझेदारियां एक विश्वसनीय वैश्विक अंतरिक्ष भागीदार के रूप में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा को दर्शाती हैं।

लेकिन अंतरिक्ष सिर्फ़ अन्वेषण के बारे में नहीं है - यह ज़िम्मेदारी के बारे में भी है। हज़ारों उपग्रहों के पृथ्वी की परिक्रमा करने के कारण अंतरिक्ष मलबा एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है। इसरो का अंतरिक्ष परिस्थिति जागरूकता कार्यक्रम मलबे की रियल-टाइम निगरानी करता है, टक्कर होने से बचने और अंतरिक्ष गतिविधियों की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए रणनीति विकसित करता है।

देश के कोने-कोने में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का प्रभाव दिखाई दे रहा है। हिमालयी राज्यों में, उपग्रह डेटा भूस्खलन और हिमनदों की गतिविधियों की निगरानी में मदद करता है। तटीय क्षेत्रों में, यह समुद्री संरक्षण और आपदा की तैयारी में सहायता करता है। जनजातीय और दूरदराज के क्षेत्रों में, यह उपग्रह इंटरनेट के माध्यम से डिजिटल समावेशन को सक्षम बनाता है। खामोशी से हो रही ये क्रांतियाँ - परिवर्तन हैं, जो बिना किसी दिखावे के जीवन को प्रभावित करते हैं।

हम अगले दशक पर गौर करें, तो लक्ष्य स्पष्ट हैं- २०४० तक चालक दल के साथ चंद्रमा पर उतरना, पूरी तरह से चालू अंतरिक्ष स्टेशन, और वैश्विक अंतरिक्ष नवाचार में नेतृत्व की भूमिका। ये केवल सपने नहीं हैं - ये ऐसे राष्ट्र के लिए रणनीतिक अनिवार्यताएँ हैं, जिसने हमेशा समाज को बदलने के लिए विज्ञान की शक्ति में विश्वास किया है। थुंबा के साइकिल शेड से लेकर कक्षा में डॉकिंग मेन्युवर तक, भारत की अंतरिक्ष यात्रा दृढ़ता, कल्पनाशीलता और अथक प्रयास की दास्तान है। यह एक ऐसी दास्तान है जिसका ताल्लुक हर नागरिक, हर वैज्ञानिक, हर स्वपनदृष्टा से है। और अब, जबकि हम परिवर्तनकारी शासन के ग्यारह वर्षों का जश्न मना रहे हैं, तो हम एक ऐसे राष्ट्र का भी कीर्तिगान कर रहे हैं जो वास्तव में सितारों तक जा पहुँचा है - और उनकी रोशनी को वापस घर ले आया है।

लेखक केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); पृथ्वी विज्ञान और प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री

सू- दोकू क्र.92

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.91 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

गरीबी से पार पाने में खासी सफलता मिली

भारत में अत्यधिक गरीबी दर २०११-12 में 27.1 प्रतिशत से एक दशक में तेजी से घट कर २०२२-23 में 5.3 प्रतिशत रह गई। यह जानकारी विश्व बैंक की एक रिपोर्ट से मिली है। हालांकि विश्व बैंक ने अपनी गरीबी रेखा की सीमा को संशोधित करके तीन डॉलर प्रति दिन कर दिया है। बेशक, यह रिपोर्ट हौसला देती है। खासकर मौजूदा वैश्विक के मद्देनजर किसी भी देश के लिए इस प्रकार का आकलन खासा उत्साहवर्धक होता है।

भारत विकासशील देश है, और अपनी आयोजना में शुरू से से ही गरीबी उन्मूलन का प्राथमिकता देता रहा है। गरीबी से अपने लोगों को उबारने के लिए पंचवर्षीय योजनाएं शुरू की गई ताकि आम जन के आर्थिक हालात बेहतर से बेहतर हो सकें। सत्तर के दशक में %गरीबी हटाओ' का नारा देकर चुनाव तक लड़ा गया। जीता भी गया। बेशक, सरकार की तमाम प्राथमिकताओं और चिंताओं के केंद्र में गरीबी उन्मूलन रहा है।

इसके नतीजे भी अच्छे मिले, लेकिन कुछ समस्याएं बराबर बनी रहीं जिनके चलते गरीबी उन्मूलन का लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सका। एक तो यह हुआ की आर्थिक विकास के लाभ कुछ वर्गों तक ही सीमित रह गए। इसके चलते आर्थिक असमानता की समस्या उभरी जिससे पार पाने के लिए आज जूझना पड़ रहा है, लेकिन यह भी सच है कि गरीबी से पार पाने में खासी सफलता मिली है। इस बात की ताकीद शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल जैसे मानकों में देश के बेहतर प्रदर्शन से होती है।

गरीबी कम करने में हम कमजोर नहीं पड़े हैं। और अब तो विश्व बैंक भी इसकी तस्दीक कर रहा है। विश्व बैंक ने अप्रैल में भारत पर अपने %गरीबी और समानता संक्षिप्त' में कहा था कि अत्यधिक गरीबी (प्रति दिन 2.15 डॉलर से कम पर जीवन यापन) २०११-12 में 16.2 प्रतिशत से घट क २०२२-23 में 2.3 प्रतिशत हो गई जिससे 17.1 करोड़ लोग इस रेखा से ऊपर आ गए।

बेशक, गरीबी उन्मूलन के प्रयास आजाद भारत के किसी भी कालखंड में शिथिल नहीं पड़ने पाए हैं, लेकिन बहुत कुछ वैश्विक हालात पर निर्भर करता है। वैश्विक जोखिम आज कहीं ज्यादा नकारात्मक हैं। अमेरिका जैसे देशों में नीतिगत बदलाव, कई देशों में युद्ध के हालात ने वैश्विक परिदृश्य को तनावपूर्ण बना दिया है। लेकिन अर्थव्यवस्था के बुनियादी कारक इतने मजबूत हैं कि भारत अपने लोगों के हालात बेहतर करने में जरूर सफल होगा। (आरएनएस)

फिल्म तन्वी द ग्रेट का नया पोस्टर जारी

अभिनेता अनुपम खेर काफी समय से फिल्म तन्वी द ग्रेट को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म का दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म होने वाला है। यह फिल्म ठीक एक महीने बाद यानी 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अब इससे पहले निर्माताओं ने तन्वी दे ग्रेट का नया पोस्टर साझा किया है, जिसमें अनुपम समेत तमाम सितारों की झलक दिख रही है। तन्वी द ग्रेट में शुभांगी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म में वह तन्वी का किरदार निभा रही हैं। शुभांगी इस फिल्म के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रख रही हैं। शुभांगी और अनुपम के अलावा फिल्म में जैकी श्रॉफ, अरविंद स्वामी, नासिर, पल्लवी जोशी, बोमन ईरानी और करण टैकर जैसे सितारे भी नजर आएंगे। तन्वी द ग्रेट इसलिए भी ज्यादा खास है, क्योंकि ओम जय जगदीश (२००२) के बाद यह अनुपम के निर्देशन में बनी दूसरी फिल्म है।

मुख्यमंत्री से भारतीय मानक ब्यूरों के प्रतिनिधिमंडल ने की शिष्टाचार भेंट

संवाददाता

देहरादून। भारतीय मानक ब्यूरों के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शिष्टाचार भेंट कर उत्तराखण्ड में मानकीकरण से जुडे प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की।

आज यहां भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) देहरादून शाखा के निदेशक एवं प्रमुख सौरभ तिवारी के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट की एवं राज्य में मानकीकरण से संबंधित विविध पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। प्रतिनिधिमंडल में शिक्षा, उद्योग तथा उपभोक्ता संगठनों से जुड़े प्रतिनिधि सम्मिलित थे।

मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल के सुझावों की सराहना की तथा उत्तराखंड में मानकीकरण को सुदृढ़ बनाने हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापरक सेवाओं एवं सतत विकास के लिए मानकीकरण अत्यंत आवश्यक है और यह पहल 'विकसित उत्तराखंड' की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप, बीआईएस 2047 तक 'विकसित भारत' के निर्माण में एक अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर में हुई विशेष पूजा अर्चना

संवाददाता

देहरादून। विश्व शांति व देश के चौमुखी विकास के लिए माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर में विशेष पूजा अर्चना हुई।

आज यहां विश्व शांति देश के चौमुखी विकास, देवभूमि उत्तराखंड की सुख शांति और समृद्धि की मंगल कामना के साथ माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर में आयोजित विशेष आषाढ़ गुप्त नवरात्रि पूजा अनुष्ठान की विशेष पूजा अर्चना, श्री दुर्गा सप्तशती पाठ, यज्ञ और हरियाली वितरण के साथ पूर्णाहुति दी गई।

मंदिर के संस्थापक आचार्य डा. बिपिन जोशी के पावन सानिध्य में आयोजित विशेष गुप्त नवरात्रि पूजा अनुष्ठान के विषय में जानकारी प्रदान करते हुए जोशी ने कहा गुप्त नवरात्रि में की गई। पूजा अनुष्ठान से कई दिव्य अनुभूतियां मिलती हैं और गुप्त सिद्धियों की प्राप्ति होती हैं, पूजा अर्चना और दुर्गा सप्तशती पाठ आचार्य विकास भट्ट ने करवाया। इस अवसर पर डा. मथुरा दत्त जोशी, भगवती जोशी, गीता जोशी, एडवोकेट तनुज जोशी, अरविंद बडोनी, संतोष ढौंडियाल, ऋषिपाल आदि का विशेष सहयोग रहा।

62.50 लाख रुपए की साईबर ठगी में.. ◄◄ पृष्ठ 2 का शेष

के माध्यम से क्रिप्टो करेन्सी में निवेश कर अत्यधिक लाभ प्राप्त किये जाने की बात कही जाती थी, तथा क्रिप्टो करेन्सी में निवेश किये जाने हेतु व्हाटसप के माध्यम से ही अलग-अलग बैंकों के खाते प्रदान किया जाते थे, जिसमें पीडितों द्वारा लालच में आकर भारी भरकम धनराशि निवेश कर दी जाती थी।

मुख्यमंत्री ने मां के समान सभी नदियों का आदर करने का दिया सन्देश

संवाददाता

हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मां के समान सभी नदियों का आदर करने का सन्देश देते हुए सभी नदियों को निर्मल, स्वच्छ रखने का संकल्प लिया।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के मुख्य सेवक के रूप में 4 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर हरिद्वार पहुँचकर हर की पौड़ी स्थित ब्रह्मकुंड में मां गंगा की पूजा अर्चना करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रदेश की खुशहाली एवं प्रगति की कामना की इसके साथ ही हरि की नगरी हरिद्वार में आने आले श्रद्धालुओं की सभी मनोकामना पूर्ण करने की भी मां गंगे से प्रार्थना की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरकी पौड़ी पर आयोजित नदी उत्सव कार्यक्रम में कहा कि नदियां केवल जल स्त्रोत मात्र नहीं हैं, बल्कि प्राचीन काल से ही सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक प्रगति

का आधा स्तम्भ रही हैं। उन्होंने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए भी नदियों का संरक्षण एवं संवर्धन बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सभी नदियों की स्वच्छता एवं निर्मल बनाए रखने के लिए मां के समान नदियों का सम्मान करें और नदियों को स्वच्छ एव निर्मल बनाए रखें। इस अवसर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित सभी श्रद्धालुओं द्वारा दोनो हाथ उठाकर मां के समान नदियों का सम्मान करने तथा भविष्य में कभी भी नदियों को दूषित न करने का संकल्प लिया गया। श्री गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम, सभापति कृष्ण कुमार शर्मा, स्वागत मंत्री सिद्धार्थ चक्रपाणि एवं अन्य पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री के हरकी पौड़ी पहुँचने पर भव्य स्वागत किया। मां गंगा का पूजन कार्य पूरे विधि विधान के साथ आचार्य अमित शास्त्री द्वारा किया गया। इस दौरान पूर्व सासंद डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, राज्य सभा सासंद कल्पना सैनी, विधायक मदन कौशिक, आदेश चौहान, उपाध्यक्ष राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण विनय रुहेला, सचिव उज्ज्वल पंडित, शैलेश गौतम, धीरेंद्र कौशिक, उपाध्यक्ष मनोज झा, मंत्री विकास प्रधान, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोबाल, उप जिलाधिकारी चौहान, एसपी क्राइम जितेंद्र मेहरा साहित भरी संख्या में श्रद्धालु एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

पंचायत चुनाव के लिए कांग्रेस ने चमोली, टिहरी व पौडी के सदस्यों की सूची जारी की

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस ने त्रिस्तरीय चुनाव के लिए चमोली, टिहरी व पौडी से सदस्यों के नामों की सूची जारी की।

आज यहां उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने जिला पंचायत चुनाव 2025 हेतु जिला चमोली, टिहरी एवं पौडी की पार्टी समर्थित जिला पंचायत सदस्यों की सूची जारी की है। पार्टी समर्थित प्रत्याशियों की सूची जारी करते हुए प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकान्त धस्माना ने बताया कि टिहरी जनपद के जिला पंचायत क्षेत्र ढाक से श्रीमती राजमती देवी, उर्गम से श्रीमती लवली चौहान, देवर खडोरा से जयप्रकाश पंवार, पिलंग से विपिन फर्स्वाण, सलना से श्रीमती सुनीता रडवाल, रानौ से वरूण रावत, जाख से श्रीमती राजेश्वरी नेगी, सिमली से विक्रम कठैत, मलसी से श्रीमती कामेश्वरी देवी, कोठा से सुरेन्द्र सिंह रावत, बछुवावाण से श्रीमती शांति कंडारी, अन्द्रपा से अनिल सिंह, कोठली से श्रीमती साक्षी नेगी, सूना से ओमप्रकाश सोलियाल, मटई से राकेश रावत, बूरा से श्रीमती सुनीता रावत एवं भेंटी से रघुवीर फर्स्वाण को पार्टी समर्थित प्रत्याशी घोषित किया गया है। जिला टिहरी गढ़वाल के जिला पंचायत क्षेत्र थाती बूढाकेदार से श्रीमती रजनी रौतेला, खवाडा, कुंवर सिह रावत, दल्ला से श्रीमती पुष्पा देवी पैन्यूली, किरेथ से धनवीर सिंह बिष्ट, अखोडी से उमेश चौधरी, चकरेडा से रजनीश, पटागली से गभीर सिह भंडारी, मन्दार से विजय सिंह रावत, कफलोग से मान सिंह रौतेला, गढसिनवालगांव से उदय रावत, मांजफ से श्रीमती लक्ष्मी देवी, धमाडी से यशवीर सिंह पुरूषोडा, बन्स्यूल से चमन दास एवं जिला पंचायत क्षेत्र सरतली से जोत सिंह रावत को पार्टी समर्थित प्रत्याशी घोषित किया गया है। वहीं पौडी जनपद के जिला पंचायत क्षेत्र कुल्हाड से कीर्ति सिंह, सुराडी से शैलेन्द्र सिंह, चांदपुर सीला से श्रीमती हसीना बेगम पत्नी अब्दु गफार, पट्टर अकरा से श्रीमती सुनीता बिष्ट, कुमालगांव से श्रीमती कविता डबराल, भातसी से श्रीमती गीता देवी तथा जिला पचांयत क्षेत्र डमरोली से हरी सिंह भंडारी को अधिकृत किया गया है।

एलटी चयनित अभ्यार्थियों ने छेडी मुहिम, 'नियुक्ति नहीं तो वोट नहीं'

संवाददाता

देहरादून। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को देखते हुए एलटी चयनित अभ्याथियों ने 'नियुक्ति नही तो वोट नही' की मुहिम छेड दी है।

आज यहां 'नियुक्ति नहीं तो वोट नहीं' अभियान के तीसरे दिवस सहायक अध्यापक (एलटी) चयनितों ने सूबे के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विधानसभा क्षेत्र चंपावत की ग्रामसभाओं में पहुंच मतदाताओं से लंबी वार्ता कर अपनी व्यथा साझा करते हुए नियुक्ति के लिए अभियान चलाया। मौजूदा सरकार की शिक्षा और बेरोजगारों के प्रति उदासीनता का शिकार बने एलटी चयनित शिक्षक चयन संस्तुति होने के पांच माह बाद भी नियुक्ति की बाँट जोह रहे हैं। परिणामस्वरूप अब 1352 एलटी चयनित शिक्षकों ने पंचायत चुनावों में मौजूदा राजनीतिक दलों को वोट न देने संबंधी अभियान चलाने का आवाहन किया है। जिसकी विधिवत शुरुआत पिछले दिवस पिथौरागढ़ जनपद से की है जहां मतदाताओं से प्रत्यक्ष रूप से मिलकर एलटी चयनित

अपनी व्यथा साझा कर रहे हैं और उसी अनुरूप वोट देने का आग्रह कर रहे हैं। चयनितों के प्रतिनिधि मंडल का कहना है कि यदि सरकार शीघ्र ही न्यायालय में उनकी नियुक्ति के लिए महाधिवक्ता के माध्यम से प्रभावी पैरवी नहीं करती और उन्हें शीघ्र नियुक्ति नहीं दी जाएगी तो वह इस त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में प्रदेश की प्रत्येक ग्राम सभा, क्षेत्र पंचायत व जिला पंचायत से चयनित हुए अभ्यर्थियों और अपने परिजनों के माध्यम से बेरोजगारों के हित में 'नियुक्ति नहीं तो वोट नहीं' मुहिम को और भी अधिक गति देंगे। उनका कहना है कि एलटी शिक्षकों की भर्ती को आए डेढ़ साल हो गए हैं तथा सरकार की ओर से प्रभावी पैरवी न होने के कारण 5 माह से मामला न्यायालय में लंबित है जिसका खामियाजा 1352 चयनित अभ्यर्थियों को बेरोजगार रहकर चुकाना पड़ रहा है। अभ्यर्थी चयनित होने के बाद भी आज दर-दर की ठोकरें खाने को विवश हैं। ज्ञात हो कि एलटी अभ्यर्थी पिछले 3 माह से नियुक्ति के लिए शिक्षा निदेशालय देहरादून में अनिश्चितकालीन धरना दे रहे हैं लेकिन सरकार की ओर से उनकी नियुक्ति के लिए अभी तक कोई सकारात्मक हस्तक्षेप नहीं किया गया है। इस दौरान , दिनेश,अजय, नवीन, रमेश, विमल, गोपाल, राजेश,मोहिनी, किरन,चंदा,ऊषा, राधा, सहित दर्जनों अभ्यर्थी मौजूद रहे।

पर्वतीय राज्यों के लिए बने पृथक विमानन नीतिः धामी

❑नागर विमानन सम्मेलन-2025 में मुख्यमंत्री ने किया प्रतिभाग

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नागर विमानन सम्मेलन 2025 में प्रतिभाग करते हुए पर्वतीय राज्यों के लिए पृथक विमानन नीति बनाने की मांग की।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह ध मी ने देहरादून स्थित होटल में आयोजित नागर विमानन सम्मेलन-2025 में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू और उत्तर भारत के नागर विमानन मंत्रियों एवं केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मेलन प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के नागर विमानन क्षेत्र में आई ऐतिहासिक प्रगति का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि उड़ान योजना के माध्यम से छोटे शहरों और दुर्गम क्षेत्रों को हवाई संपर्क से जोड़कर न केवल आम नागरिकों के लिए हवाई यात्रा सुलभ हुई है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में वर्तमान में 18 हेलीपोर्ट्स का विकास किया जा रहा है, जिनमें से 12 पर सेवाएं प्रारंभ हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि हेली सेवाएं उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्यों में केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि जीवन रेखा बन चुकी हैं। चाहे आपदा प्रबंधन हो, स्वास्थ्य सेवाएँ हों या तीर्थयात्रा, हेलीकॉप्टर सेवाओं ने इन क्षेत्रों में अभूतपूर्व सुविधा प्रदान की है।

मुख्यमंत्री धामी ने केन्दीय नागर विमानन मंत्रालय से पर्वतीय राज्यों के लिए एक पृथक "पर्वतीय विमानन नीति" बनाने का आग्रह किया, जिसमें विशेष वित्तीय सहायता, संचालन हेतु सब्सिडी, पर्वतीय क्षेत्रों के लिए उपयुक्त। एटीसी नेटवर्क, सटीक मौसम पूर्वानुमान, स्लॉटिंग और आपदा-पूर्व तैयारी जैसे प्रावधान शामिल हों।

मुख्यमंत्री ने सभी ऑपरेटरों से भी पर्वतीय उड़ानों के लिए विशेष पायलट प्रशिक्षण, सुरक्षा मानकों का कठोर पालन और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी अनुरोध किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, राजस्थान के कैबिनेट मंत्री गौतम कुमार, हरियाणा के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल, उत्तराखंड के मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन और संबंधित राज्यों के अधिकारी उपस्थित रहे।

चार धाम यात्रा पर लगा ब्रेक

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में हो रही लगातार मूसलाधार बारिश के कारण न सिर्फ आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो चला है अपितु चार धाम यात्रा पर भी ब्रेक लग गया है। बीती रात उत्तरकाशी, चमोली और कर्णप्रयाग में भारी बारिश होने से चार धाम यात्रा मार्गो के अवरुद्ध होने से यात्रियों की मुसीबतें बढ़ गई है। तथा जगह-जगह यात्रियों के फंसे होने के खबरें मिल रही है।

5 दिन पहले सिलाई बैंड पर बादल फटने की घटना के बाद अभी तक यमुनोत्री मार्ग को यात्रियों के लिए नहीं खोला जा सका है। धाम की ओर फंसे यात्रियों को जंगल के रास्ते किसी तरह रेस्क्यू कर निकाला गया है तो कुछ अभी भी वहीं फंसे हुए हैं। इसी मार्ग पर बीती रात वनास के पास हुए भूस्खलन से यहां भी अब मार्ग बंद हो गया है। वहीं केदारनाथ मार्ग पर गौरीकुंड के पास भारी बारिश के कारण

❑बारिश और भूस्खलन से सड़क बंद, जगह-जगह वाहनों की कतार, यात्री फंसे

मार्ग बाधित हो गया है तथा आवाजाही पर रोक लग गई है। कर्णप्रयाग-नैनीसैंण मार्ग बंद होने से वाहनों की लंबी कतारे लगी हुई है वहीं भट्टा मार्ग पर भी भूस्खलन से यातायात ठप हो गया है।

उधर चमोली जिले में भी भारी बारिश के कारण पीपल कोटी तथा नंदप्रयाग के बीच मार्ग अवरुद्ध हो गया है। जिसे 5-6 घंटे में खोले जाने की बात कही जा रही है। सभी चारों धामों में इस समय यात्रियों का आवागमन बाधित हो चुका है तथा चार धाम यात्रा पर एक तरह से अस्थाई रूप से ब्रेक लग चुका है। राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में भारी बारिश होने से सैकड़ो गांवों का संपर्क मुख्यालय से टूट गया है। अल्मोड़ा से भी भारी बारिश के समाचार मिले हैं वहीं बागेश्वर में बीती रात भारी बारिश के कारण सड़कें तालाब बन गई हैं तथा कई आवासीय क्षेत्रों में घरों में पानी घुसने की भी खबरें हैं। राज्य में 5 जुलाई तक इसी तरह का मौसम बने रहने की संभावना है। भारी बारिश के कारण गंगा-यमुना सहित तमाम नदियां ऊफान पर है तथा उनका जलस्तर लगातार बढ़ रहा है जिससे मैदानी भागों में बाढ़ का खतरा बना हुआ है।

नाबालिग से होटल में दुष्कर्म कर आरोपी फरार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। होटल में नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म कर आरोपी फरार हो गया है। पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार बीते दिनो शहर के एक व्यक्ति को कोतवाली हल्द्वानी में तहरीर देकर बताया गया कि उनकी सोलह साल की बेटी को काठगोदाम थाना क्षेत्र निवासी एक युवक बहला फुसलाकर होटल में ले गया, जहां उसने किशोरी के साथ जबरन दुष्कर्म किया। साथ ही किसी को घटना के बारे में बताने पर जान से मारने की धमकी दी। पीडित के पिता ने बताया कि अमृतपुर निवासी एक व्यक्ति से उसकी बेटी की जान पहचान थी। वह काफी समय से बेटी को बहला फुसला रहा था। बीते दिनों उसने बेटी को धोखे से घूमने के बहाने हल्द्वानी के एक होटल में ले गया, जहां उसके साथ जबरदस्ती करने लगा और मना करने पर उसने बेटी को जान से मारने की धमकी दी। डरा धमका कर आरोपी ने उसके साथ होटल में दुष्कर्म किया।

घटना के बाद से बेटी गुमशुम रहने लगी। घटना के बाद किशोरी काफी डरी हुई थी कारण पूछने पर उसने घटना की जानकारी परिवार वालों को दी। मामले में कोतवाली पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

सहायक चकबन्दी अधिकारी कार्यालय का लिपिक रिश्वत लेते गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। सहायक चकबन्दी अधिकारी कार्यालय मंगलौर जनपद हरिद्वार में तैनात लिपिक विनोद कुमार को विजिलेंस टीम ने 2,100 रूपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। जिससे पूछताछ जारी है।

जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता द्वारा सतर्कता अधिष्ठान सैक्टर देहरादून, में एक शिकायती पत्र देकर बताया गया था कि उसके भाई ने एक प्लाट अपनी बुआ से खरीदा था। जिसके दाखिला खारिज के एवज में सहायक चकबन्दी अधिकारी कार्यालय मंगलौर जनपद हरिद्वार में तैनात लिपिक विनोद कुमार द्वारा रिश्वत की माँग की जा रही हैं। शिकायतकर्ता रिश्वत नही देना चाहता था एवं ऐसे भ्रष्ट सरकारी कर्मचारी के विरुद्ध कार्यवाही चाहता

था। मामले की गम्भीरता को देखते हुए सतर्कता अधिष्ठान सैक्टर देहरादून की ट्रैप टीम द्वारा नियमानुसार कार्यवाही करते हुए आज सहायक चकबन्दी अधिकारी कार्यालय मंगलौर जनपद हरिद्वार में तैनात लिपिक विनोद कुमार, को शिकायतकर्ता से 2,100/- रूपये (दो हजार एक सौ रूपये) की रिश्वत लेते हुये, सहायक चकबन्दी अधिकारी कार्यालय रूड़की मंगलौर से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी उपरान्त सतर्कता अधिष्ठान देहरादून की टीम द्वारा आरोपी के आवास की तलाशी व अन्य स्थानों पर चल अचल सम्पत्ति के सम्बन्ध में पूछताछ जारी है।

वेडिंग प्वाइंट में आग लगने से टैंट का सामान व चार वाहन जलकर स्वाह

संवाददाता

देहरादून। वेडिंग प्वाइंट में आग लगने से टैंट का सामान व चार चौपहिया वाहन व एक मोटरसाईकिल जलकर स्वाह हो गये। फायर बिग्रेड ने मौके पर पहुंच काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

आज यहां तडके प्रातः कंट्रोल रूम के माध्यम से कोतवाली ऋषिकेश को सूचना प्राप्त हुई कि ऋषिकेश के गंगानगर क्षेत्र में स्थित शगुन वेडिंग पॉइंट हाल मधुर मिलन टैंट हाउस में आग लग गई है। सूचना पर तत्काल कोतवाली ऋषिकेश से पुलिस बल मौके पर पहुँचा, साथ ही ऋषिकेश, लालतप्पड तथा आस पास के अन्य फायर स्टेशनों से दमकल के

वाहन मौके पर पहुंचे।

मौके पर 05 फायर टेण्डरों द्वारा कडी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस दौरान पुलिस टीम द्वारा घटना स्थल पर रखे गैस के सिलेण्डरों को सबसे पहले मौके से हटाते हुए बडी दुर्घटना की सम्भावना को टाला गया। घटना मे वेडिंग प्वाइंट स्थित टैंट हाउस में रखे टैंट व अन्य सामान जल गया। साथ ही वैडिंग प्वाइंट के अन्दर खडे 04 चौपहिया वाहन तथा एक मोटर साइकिल भी आग की चपेट में आने से जल गए। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। प्रथम दृष्टया शार्ट सर्किट के कारण आग का लगना प्रकाश में आया है, उक्त वेडिंग पॉइंट को शहजाद पुत्र निशार अहमद निवासी आरपीएस स्कूल के पास गंगा नगर ऋषिकेश द्वारा लीज पर लिया गया था, जिसमे वह वेडिंग पॉइंट के साथ साथ टेंट हाउस का कार्य भी करता था। आग से हुई क्षति का आंकलन किया जा रहा है, साथ ही आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।